University of Rajasthan
Jaipur

SYLLABUS

M.A. Hindi

(Semester Scheme)

I & II Semester 2022-23
III & IV Semester 2023-24

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) – प्रथम सेमेस्टर

कम्पलसरी कोर कोर्स

HIN-101 : प्राचीन काव्य

समय 3 घण्टे — पूर्णांक 100

निर्धारित पाठ –

1. संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो : चन्दबरदाई – सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी – शशिव्रता विवाह प्रस्ताव आरम्भिक 50 छंद
2. विद्यापति – सं. शिवप्रसाद सिंह – पद संख्या– 8,10,11,16,19,26,36,40,47,48
3. ढोला मारूरादूहा : कुशल लाभ – सं. डॉ. शम्भूसिंह मनोहर – दोहा संख्या 1 से 25 तक
4. गोरखवाणी : गोरखनाथ – सं. पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल – सबदी खण्ड के आरम्भिक – 15 छंद
पद खण्ड से आरम्भिक 5 छंद

अंक विभाजन –

चार व्याख्या – प्रत्येक इकाई से एक (आन्तरिक विकल्प देय)	10X4 = 40
चार आलोचनात्मक प्रश्न – प्रत्येक इकाई से एक (आन्तरिक विकल्प देय)	15X4 = 60

अनुशंसित ग्रंथ –

1. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. आदिकालीन हिन्दी साहित्य – डॉ.शंभूनाथ पाण्डेय
4. चंदबरदाई – शांता सिंह
5. पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य – डॉ.नामवर सिंह
6. पृथ्वीराज रासउ – सं. माताप्रसाद गुप्त
7. विद्यापति – डॉ.शिवप्रसाद सिंह
8. विद्यापति – डॉ. आनन्द प्रकाश दीक्षित
9. गोरखनाथ – नागेन्द्रनाथ उपाध्याय

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) – प्रथम सेमेस्टर
कम्पलसरी कोर कोर्स
HIN-102 : हिन्दी साहित्य का इतिहास – आदिकाल

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

इकाई 1. साहित्य का इतिहास दर्शन, साहित्येतिहास और साहित्यालोचन, हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा, हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की समस्याएं

इकाई 2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – सीमांकन, नामकरण, परिवेश
आदिकाल के अध्ययन की समस्याएं – साहित्यिकता, भाषा एवं प्रामाणिकता के प्रश्न

इकाई 3. आदिकालीन साहित्य की प्रमुख धाराएं
क. सिद्ध साहित्य
ख. नाथ साहित्य
ग. जैन साहित्य
घ. रासो साहित्य

इकाई 4. आदिकालीन साहित्य के अन्य पक्ष
क. लौकिक साहित्य
ख. गद्य साहित्य
ग. आदिकाल की उपलब्धियां (भाषा रूप और संप्रेषण क्षमता, कथ्य और शिल्प)

अंक विभाजन –

कुल पाँच प्रश्न
प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न – चार प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय) 20X4 = 80
अंतिम प्रश्न टिप्पणीपरक होगा– सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक वैशिष्ट्य केन्द्रित दो टिप्पणियाँ (आन्तरिक विकल्प देय) 10X2 = 20

अनुशंसित ग्रंथ –

1. रामचन्द्र शुक्ल – हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्यः उद्‌भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्य का आदिकाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – हिन्दी साहित्य का अतीत – भाग 1, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. नगेन्द्र (सं.) – हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. रामस्वरूप चतुर्वेदी – हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. नलिन विलोचन शर्मा – साहित्य का इतिहास दर्शन, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
9. बच्चन सिंह – हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
10. शंभुनाथ पाण्डेय – आदिकालीन हिन्दी साहित्य
11. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय – गोरखनाथ : नाथ सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में
12. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय – बौद्ध कापालिक साधना और साहित्य

Dy. Registr
(Academic)
University of Raj...
JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) – प्रथम सेमेस्टर

कम्पलसरी कोर कोर्स

HIN-103 : भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

समय 3 घण्टे पूर्णांक 100

इकाई 1. क. भाषा : परिभाषा, विशेषताएँ, भाषा और बोली, भाषा परिवर्तन के कारण
ख. भाषा विज्ञान : परिभाषा, अंग, भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध

इकाई 2. क. स्वनिम विज्ञान : स्वन की परिभाषा, वागीन्द्रियाँ, स्वनों का वर्गीकरण – स्थान और प्रयत्न के आधार पर, स्वन परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ
ख. रूपिम विज्ञान -- शब्द और रूप (पद), पद विभाग – नाम, आख्यात, उपसर्ग और निपात व्याकरणिक कोटियाँ – लिंग, वचन, पुरुष, कारक, पद परिवर्तन के कारण

इकाई 3. क. वाक्य विज्ञान – वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्व, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण
ख. अर्थ विज्ञान – शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ

इकाई 4. क. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास
ख. हिन्दी की उपभाषाएं एवं बोलियां
ध. राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी
ग. देवनागरी लिपि की विशेषताएं और मानकीरण, हिन्दी की मानक वर्णमाला

अंक विभाजन –

कुल पाँच प्रश्न

प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न – चार प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय)	20 x 4 = 80
अंतिम प्रश्न टिप्पणीपरक होगा – दो टिप्पणियां (आन्तरिक विकल्प देय)	10 x 2 = 20

अनुशंसित ग्रंथ –

1. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
3. सामान्य भाषा विज्ञान – बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
4. हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास – उदयनारायण तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. पुरानी हिन्दी – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
7. हिन्दी शब्दानुशासन – किशोरीदास वाजपेयी, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
8. भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी – सुनीति कुमार चटर्जी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र – कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
10. हिन्दी भाषा : विकास और स्वरूप – कैलाश चन्द्र भाटिया, ग्रंथ अकादमी, नई दिल्ली

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) – प्रथम सेमेस्टर

इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

HIN A01 – A06 में से किन्हीं 3 का चयन करें

HIN-A01 : अपभ्रंश भाषा और साहित्य

समय 3 घण्टे — पूर्णांक : 100

इकाई 1. अपभ्रंश भाषा का विकास तथा उसकी विशेषताएँ, अपभ्रंश, अवहट्ठ और पुरानी हिन्दी

इकाई 2. अपभ्रंश साहित्य का इतिहास

इकाई 3. अपभ्रंश साहित्य की सामान्य विशेषताएँ

इकाई 4. निर्धारित पाठ –

क. अपभ्रंश काव्य सौरभ – सं. कमल चंद सोगानी, (पउम चरिउ – स्वयंभू)
पाठ – 3, 27/14 से 28/2 तक
पाठ – 4, 76/3 से 77/4 तक

ख. हिन्दी काव्यधारा – सं. राहुल सांकृत्यायन, (पाखण्ड खण्डन – रामसिंह)
कुल 17 दोहे

ग. हिन्दी काव्यधारा – सं. राहुल सांकृत्यायन, (प्रोषित पतिका का संदेश)
आरम्भिक 10 छंद

घ. कीर्तिलता : द्वितीय पल्लव

अंक विभाजन –

कुल पाँच प्रश्न

निर्धारित पाठ्य खण्ड से कुल चार व्याख्या – प्रत्येक से एक (आंतरिक विकल्प देय)
10X4 = 40

तीन आलोचनात्मक प्रश्न – प्रथम तीन इकाइयों में प्रत्येक से एक (आंतरिक विकल्प देय)
20X3 = 60

अनुशंसित ग्रंथ –

1. हिन्दी काव्यधारा : राहुल सांकृत्यायन
2. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग : डॉ.नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. अपभ्रंश भाषा का अध्ययन : डॉ.वीरेन्द्र श्रीवास्तव
4. अपभ्रंश साहित्य : हरिवंश कोछड़
5. प्राकृत और अपभ्रंश साहित्य तथा उनका हिन्दी साहित्य पर प्रभाव : डॉ.रामसिंह तोमर, हिन्दी परिषद् प्रकाशन, इलाहाबाद
6. अपभ्रंश भाषा और साहित्य : राजमणि शर्मा, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
7. अपभ्रंश और अवहट्ठ : एक अन्तर्यात्रा : शम्भुनाथ पाण्डेय
8. अपभ्रंश भाषा साहित्य की शोध–प्रवृत्तियाँ : देवेन्द्र कुमार, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

Raj Jain

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) – प्रथम समस्टर
इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)
HIN A01-A06 में से किन्हीं 3 का चयन करें

HIN-A02 : सूफी साहित्य

समय 3 घण्टे पूर्णांक 100

इकाई 1. सूफी मत का उद्भव और विकास, सूफी मत का सैद्धान्तिक विश्लेषण
इकाई 2. भारत में सूफी मत का विकास एवं विविध सम्प्रदाय
इकाई 3. हिन्दी का सूफी साहित्य – सामान्य विशेषताएं
इकाई 4. निर्धारित पाठ –
क. जायसी ग्रंथावली – सं. रामचन्द्र शुक्ल, (पद्मावत – नागमती वियोग खंड)
ख. मधुमालती (मंझन) – सं. माता प्रसाद गुप्त, 316 से 330 तक
ग. अमीर खुसरो – सं. भोलानाथ तिवारी

गीत –
1. मेरा जोवना नवेलरा भया है गुलाल.....
2. बहुत रही बाबुल कर दुलहिन, चल तेरे पी ने बुलाई
3. दर्हया री मोहें भिजोकारी
4. अम्मा मेरे बाबा को भेजो कि सावन आया
5. जो पिया सावन कह गये अजहुँ न आए स्वामी हो

कव्वाली –
1. छापा तिलक तज दीन्ही रे तो से नैना मिला के
2. बहुत दिन बीते पिया को देखे

सूफी दोहे –
1. गोरी सोवे सेज पर मुख पर.....
2. श्याम सेत गोरी लिये जनमत भई अतीत.....
3. खुसरो रैन सुहाग की जागी पी के संग.....
4. वो गए बालम वो गये नदिया पार.....
5. देख मै अपने हाल को रोउ ज़ार–ओ–ज़ार.....
6. चकवा चकवी दो जने उनको मारे न कोय.....
7. सेज सूनी देख के रोउ दिन रैन.....
8. ताजी खूटा देश में कब से पड़ी पुकार.....

अंक विभाजन –

आरम्भिक तीन इकाइयों से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) 20X3 = 60
चतुर्थ इकाई से 4 व्याख्याएं – प्रत्येक से न्यूनतम एक (आंतरिक विकल्प देय) 10X4 = 40

अनुशंसित ग्रंथ –

1. जायसी ग्रंथावली – सं. रामचन्द्र शुक्ल
2. पद्मावत – सं. वासुदेवशरण अग्रवाल
3. जायसी – विजयदेवनारायण साही
4. मधुमालती – डॉ. शिवगोपाल मिश्र
5. हिन्दी सूफी काव्य की भूमिका – रामपूजन तिवारी
6. जायसी परवर्ती हिन्दी सूफी कवि और काव्य – डॉ. सरला शुक्ल
7. सूफी मत – डॉ. कन्हैया सिंह
8. मध्ययुगीन प्रेमाख्यान – डॉ. श्याम मनोहर पाण्डेय
9. अमीर खुसरो का हिन्दी काव्य – गोपीचंद नारंग
10. सूफी मत और हिन्दी सूफी काव्य – डॉ. नरेश

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

इलोक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

HIN-A01-A06 में से किन्हीं 3 का चयन करें

HIN-A03 : लोक साहित्य

इकाई 1. लोक संस्कृति की अवधारणा
लोक संस्कृति और साहित्य
लोक साहित्य का अन्य सामजिक विज्ञानों से संबंध
लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएं

इकाई 2. लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण
लोकगीत – संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत
लोक गाथा एवं लोककथा
लोकनृत्य एवं लोकनाट्य

इकाई 3. लोकनाट्य – रामलीला, रासलीला, कीर्तनियां, स्वांग, यक्षगान, विदेशिया, भांड, तमाशा, नौटंकी

इकाई 4. हिन्दी लोक नाट्य की परम्परा
हिन्दी नाटक एवं रंगमंच पर लोक नाट्यों का प्रभाव

अंक विभाजन –

कुल पॉच प्रश्न
प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय) 20 x 4 = 80
अंतिम प्रश्न टिप्पणीपरक होगा – दो टिप्पणियां (आन्तरिक विकल्प देय) 10 x 2 = 20

अनुशंसित ग्रंथ –

1. बद्रीनारायण : लोकसंस्कृति में राष्ट्रवाद, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. श्यामचरण दुबे : परम्परा, इतिहास बोध और संस्कृति, राधाकृष्ण, नई दिल्ली
संक्रमण की पीड़ा, वाणी नई दिल्ली
3. डॉ.सत्येन्द्र : लोक साहित्य विज्ञान, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
4. अर्नाल्ड हाउजर : कला का इतिहास दर्शन, ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली
5. कुंदनलाल उप्रेती : लोक साहित्य के प्रतिमान, भारत प्रकाशन मंदिर अलीगढ़
6. डॉ.श्रीराम शर्मा : लोक साहित्य सिद्धांत प्रयोग, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा
7. डॉ.रवीन्द्र भ्रमर : लोक साहित्य की भूमिका, साहित्य सदन कानपुर
8. डॉ.दुर्गा भागवत : भारतीय लोक साहित्य की रूपरेखा, विभु प्रकाशन दिल्ली
9 दिनेश्वर प्रसाद : लोक साहित्य और संस्कृति, लोकभारती इलाहाबाद
10. लोकावलोकन : विजय वर्मा, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
11. सम्मेलन पत्रिका : लोक संस्कृति विशेषांक, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद
12. सापेक्ष : लोक साहित्य विशेषांक, सं. महावीर अग्रवाल, दुर्ग

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) – प्रथम सेमेस्टर

इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

HINA01 - A06 में से किन्हीं 3 का चयन करें

HIN-A04 : हिन्दी भाषा और व्याकरण

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

इकाई 1. क. हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास, 'हिन्दी' नाम और उसके विभिन्न रूप – हिंदवी, हिन्दुस्तानी, रेख्ता, दक्खिनी

ख. हिन्दी भाषा का आधुनिक स्वरूप – जनभाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा

इकाई 2. क. देवनागरी लिपि और उसका विकास, देवनागरी लिपि का मानकीकरण

ख. हिन्दी की मानक वर्णमाला एवं ध्वनियाँ

इकाई 3. क. भाषा और व्याकरण का संबंध
व्याकरण और भाषा विज्ञान

ख. भारत में व्याकरण का विकास एवं प्रमुख वैयाकरण – पाणिनी, हेमचन्द, कामताप्र गुरू, किशोरीदास वाजपेयी

इकाई 4. क. हिन्दी में शब्द निर्माण की प्रक्रिया और रूपों का विकास

(i) संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, क्रिया विशेषण

(ii) उपसर्ग और प्रत्यय

(iii) संधि और समास

(iv) तत्सम्, तद्‌भव, देशज, विदेशज शब्द

ख. वाक्य रचना और उसके विभिन्न आयाम

अंक विभाजन –

कुल पांच प्रश्न

प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न – चार प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय) 20X4 = 80

एक प्रश्न टिप्पणीपरक होगा (चतुर्थ इकाई से संबंधित होगा) दो टिप्पणियाँ (आन्तरिक विकल्प देय) 10X2 = 20

सहायक ग्रंथ –

1. हिन्दी भाषा – महावीर प्रसाद द्विवेदी
2. हिन्दी शब्दानुशासन – किशोरी दास वाजपेयी
3. हिन्दी की वर्तनी और शब्द विश्लेषण – किशोरी दास वाजपेयी
4. अच्छी हिन्दी – रामचन्द्र वर्मा
5. हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास – धीरेन्द्र वर्मा
6. हिन्दी व्याकरण – कामताप्रसाद गुरू
7. हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास – उदयनारायण तिवारी
8. हिन्दी व्याकरण मीमांसा – काशीराम वर्मा
9. हिन्दी भाषा की संरचना – भोलानाथ तिवारी

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) चतुर्थ सेमेस्टर
इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)
HIN A01 - A06 में से किन्हीं 3 का चयन करें

HIN-A05 : राजस्थानी भाषा और साहित्य

समय 3 घण्टे पूर्णांक 100

इकाई 1. क. राजस्थानी भाषा : उद्भव और विकास
ख. राजस्थानी भाषा की व्याकरणिक विशेषताएं
ग. राजस्थानी भाषा की बोलियां

इकाई 2. क. राजस्थानी साहित्य का इतिहास
ख. राजस्थानी साहित्य की प्रमुख विधाएं एवं प्रवृतियां
ग. राजस्थानी के प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएं

इकाई 3. क. राजस्थानी गद्य चयनिका – सं. ब्रजनारायण पुरोहित, श्याम प्रकाशन, जयपुर
ख. अचलदास खींची री वचनिका – सं. भूपतिराम साकरिया, पंचशील प्रकाशन, जयपुर

इकाई 4. क. वेलि क्रिसन रुकमणी री : पृथ्वीराज राठौड़ – सं. नरोत्तमदास स्वामी
(100 से 150 छंद तक)
ख. राजस्थानी रसधारा – डॉ.शम्भूसिंह मनोहर, श्याम प्रकाशन, जयपुर

अंक विभाजन –

इकाई 3 एवं इकाई 4 के खण्ड क एवं ख प्रत्येक से एक व्याख्या – कुल चार (आन्तरिक विकल्प देय) 10 x 4 = 40

प्रत्येक इकाई से एक आलोचनात्मक प्रश्न – कुल चार (आन्तरिक विकल्प देय) 15 x 4 = 60

अनुशंसित ग्रंथ –

1. डॉ0 तेसीतोरी (अनु. डॉ0 नामवर सिंह) : पुरानी राजस्थानी, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी
2. सीताराम लालस : राजस्थानी व्याकरण, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
3. डॉ0 नरोत्तमस्वामी : संक्षिप्त राजस्थानी व्याकरण,सार्दुल राजस्थानी रिसर्च इन्स्टीट्यूट, बीकानेर
4. डॉ0 मोतीलाल मेनारिया : राजस्थानी भाषा और साहित्य, हिन्दी साहित्य सम्मेलन,प्रयाग
5. ग्रियर्सन : राजस्थान भाषा सर्वेक्षण (अनु. डॉ0आत्माराम जाडोरिया) राजस्थान भाषा प्रचार सभा, जयपुर
6. हीरालाल माहेश्वरी : राजस्थानी भाषा और साहित्य का इतिहास
7. डॉ0 भूपतिराम साकरिया तथा बद्री प्रसाद साकरिया : राजस्थानी हिन्दी – भाषा कोष भाग –2, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
8. डॉ0 कृष्णबिहारी सहल : ढोला मारू रा दूहा – एक अध्ययन, आत्माराम एंड संस दिल्ली
9. डॉ0 शिवस्वरूप शर्मा (संपा.) : राजस्थानी गद्य – उद्भव और विकास, सार्दुल राजस्थानी रिसर्च इन्स्टीट्यूट, बीकानेर
10. डॉ0 किरण नाहटा : आधुनिक राजस्थानी साहित्य: प्रेरणास्त्रोत और प्रवृतियाँ

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

इलेक्टिव्स कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

HIN A01 - A06 में से किन्हीं 3 का चयन करें

HIN-A06 : तुलसीदास

समय 3 घण्टे पूर्णांक : 100

इकाई 1 रामचरित मानस . अयोध्याकाण्ड (दोहा संख्या 67 से 90 तक) गीताप्रेस, गोरखपुर

इकाई 2. कवितावली (उत्तर काण्ड, 15 छंद) छंद संख्या – 119, 122, 126, 132, 134, 136, 140, 141, 146, 153, 155, 161, 165, 182, 229 गीताप्रेस, गोरखपुर

इकाई 3. गीतावली (बालकाण्ड, 20 पद) पद संख्या – 7, 8, 9, 10, 18, 24, 26, 31, 33, 36, 44, 73, 95, 97, 101, 104, 105, 106, 107, 110 गीताप्रेस, गोरखपुर

इकाई 4. विनय पत्रिका (20 पद) पद संख्या – 1, 3, 17, 30, 36, 41, 45, 72, 78, 79, 85, 89, 90, 94, 100, 101, 102, 103, 104, 105, = 20 पद गीताप्रेस, गोरखपुर

अंक विभाजन –

चार व्याख्याएँ – प्रत्येक इकाई से एक (आंतरिक विकल्प देय) 10 x 4 = 40

तुलसीदास की भक्ति, दर्शन, जीवन दृष्टि, काव्य कला आदि के वैशिष्ट्य पर केन्द्रित तीन आलोचनात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) 20 x 3 = 60

अनुशंसित ग्रंथ –

1. गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. मानस दर्शन – डा. श्रीकृष्णलाल, आनंद पुस्तक भवन, काशी
3. तुलसी और उनका युग – डॉ. राजपति दीक्षित, ज्ञानमंडल, काशी
4. रामकथा का विकास – कामिल बुल्के, हिन्दी परिषद, प्रयाग
5. तुलसी : आधुनिक वातायन से – रमेश कुंतल मेघ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. परम्परा का मूल्यांकन – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. तुलसी काव्य मीमांसा – उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन
8. लोकवादी तुलसीदास – विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
9. भक्तिकाल में भारतीय रहस्यवाद – राधेश्याम दुबे, संजय बुक सेन्टर, वाराणसी
10. तुलसी : एक पुनर्मूल्यांकन – सं. अजय तिवारी, आधार प्रकाशन, पंचकूला
11. मध्ययुगीन काव्य साधना – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

द्वितीय सत्र

HIN-201

कम्पलसरी कोर कोर्स

प्रथम प्रश्न पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास (भक्तिकाल)

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

भक्ति आन्दोलन : सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भक्ति आन्दोलन और लोक जागरण, भक्ति साहित्य एवं सामाजिक समरसता, प्रमुख निर्गुण कवि, प्रमुख सगुण कवि, निर्गुण एवं सगुण भक्ति की प्रमुख धाराएँ एवं उनकी शाखाएँ, भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ।

भारत में सूफीमत का उदय और विकास, सूफीमत के सिद्धान्त, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रंथ, सूफी काव्यधारा की सामान्य विशेषताएँ।

अंक विभाजन :

आलोचनात्क प्रश्न – कुल पाँच (20 x 4 = 80 अंक)

अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा। (10 x 2 = 20 अंक)

सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. रामचन्द्र शुक्ल – हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्यः उद्‌भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग –एक),वाणी वितान, ब्रहमनाल, वाराणसी
4. रामस्वरुप चतुर्वेदी – हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती, इलाहाबाद
5. नलिन विलोचन शर्मा – साहित्य का इतिहास दर्शन, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
6. बच्चन सिंह – हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. मैनेजर पाण्डेय – साहित्य और इतिहास दृष्टि, पिपुल्स लिटरेसी, दिल्ली
8. त्रिभुवन सिंह – साहित्यिक निबंध
9. भक्ति काव्य और लोक जीवन – शिवकुमार मिश्र
10. भक्ति काव्य की भूमिका – प्रेमशंकर
11. नाथपंथ और संत साहित्य – डॉ. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय
12. हिन्दी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति – डॉ. श्याम सुन्दर शुक्ल
13. कबीर वाड्.यम : सबद, साखी, रमैनी – डॉ. जयदेव सिंह, डॉ. वासुदेव सिंह
14. भये कबीर कबीर – डॉ. शुकदेव सिंह
15. कबीर : एक नई दृष्टि – रघुवंश

Raj Jain

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

द्वितीय सत्र
HIN-202
कम्पलसरी कोर कोर्स
द्वितीय प्रश्न पत्र : भक्तिकाव्य

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. कबीर : कबीर ग्रंथावली – सं. श्याम सुन्दरदास
   साखी – गुरूदेव कौ अंग – 6,7,8,12,26
   सुमिरण कौ अंग – 3,4,10,12,18
   विरह कौ अंग – 10,11,13,27,28
   मन कौ अंग – 6,7,9,10,11

   पद – 23,24,39,55,72

2. सूरदास : सूरसागर – सं. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद

   गोकुल लीला – 34,42
   वृंदावन लीला – 11,16,78
   राधा कृष्ण – 62,70,111
   मथुरा गमन – 10,38,51,
   उद्धव संदेश – 9,19,66,75,77,84,102,130,132,141,143,156,186,187,

3. तुलसीदास : विनय पत्रिका, गीता प्रेस गोरखपुर

   पद –5,73,84,87,88,90,91,102,105,111,115,124,158,159,162,171,172,174,185,188,198,199,201,202,245,

4. रहीम : ग्रंथावली – सं. विद्यानिवास मिश्र, गोविन्द रजनीश, वाणी प्रकाशन दिल्ली

   दोहावली – 4,9,15,25,28,30,56,79,89,105,
   बरवै नायिका भेद – 11,15,17,38,48,96,97,107,112,115,
   फुटकर पद – 3,5,7,12,13

अंक विभाजन :

व्याख्या – कुल चार (10 x 4 = 40 अंक)

आन्तरिक विकल्प देय
आलोचनात्मक प्रश्न कुल चार (15 x 4 = 60 अंक)
आन्तरिक विकल्प देय
व्याख्या और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है

अनुशंसित ग्रंथ :

1. रामचन्द्र शुक्ल – हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिन्दी साहित्य: उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग –एक),वाणी वितान, ब्रहमनाल, वाराणसी
4. रामस्वरूप चतुर्वेदी – हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती, इलाहाबाद

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

6. बच्चन सिंह – हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
7. मैनेजर पाण्डेय – साहित्य और इतिहास दृष्टि, पिपुल्स लिटरेसी, दिल्ली
8. त्रिभुवन सिंह – साहित्यिक निबंध
9. भक्ति काव्य और लोक जीवन – शिवकुमार मिश्र
10. भक्ति काव्य की भूमिका – प्रेमशंकर
11. नाथपंथ और संत साहित्य – डॉ. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय
12. हिन्दी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति – डॉ. श्याम सुन्दर शुक्ल
13. कबीर वाङ्मय : सबद, साखी, रमैनी – डॉ. जयदेव सिंह, डॉ. वासुदेव सिंह
14. भये कबीर कबीर – डॉ. शुकदेव सिंह
15. कबीर : एक नई दृष्टि – रघुवंश

Raj Vas
Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी)
द्वितीय सत्र
HIN-203
कम्पलसरी कोर कोर्स
तृतीय प्रश्न पत्र : भारतीय काव्यशास्त्र

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. काव्यशास्त्र का इतिहास – सामान्य परिचय
2. काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन
3. रस सिद्धान्त –रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण
4. ध्वनि सिद्धान्त – ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि का विचार स्रोत, ध्वनि का वर्गीकरण, ध्वनि सिद्धान्त का महत्व
5. अलंकार सिद्धान्त – अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार सिद्धान्त एवं अन्य सम्प्रदाय
6. रीति सिद्धान्त – रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण
7. वक्रोक्ति सिद्धान्त – वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनवाद, वक्रोक्ति का महत्व
8. औचित्य सिद्धांत – औचित्य की अवधारणा, औचित्य का महत्व।

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न .... ~~(20 x 4 = 80 अंक)~~

अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा। (10 x 2 = 20 अंक)

सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्यशास्त्र : गणेश त्र्यंबक देशपांडे, पापुलर बुक डिपो, पूना
2. रसमीमांसा : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. संस्कृत आलोचना : बलदेव उपाध्याय
4. रस प्रक्रिया : शंकरदेव अवतरे, दिल्ली
5. हिस्ट्री आफ संस्कृत पोएटिक्स : पी.बी.काणे,मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
6. काव्शास्त्र की भूमिका : डॉ.नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज : राममूर्ति त्रिपाठी,राजकमल प्रकाशन दिल्ली
8. ध्वनि सम्प्रदाय और उनके सिद्धान्त : भोलाशंकर व्यास चौखंभा, वाराणसी
9. काव्यशास्त्र : भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
10. भारतीय काव्य विमर्श : राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11. भारतीय काव्यशास्त्र की आचार्य परम्परा : डॉ.राधावल्लभ त्रिपाठी
12. ध्वन्यालोक : आचार्य चण्डिका प्रसाद शुक्ल

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) – द्वितीय सेमेस्टर
इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)
6 में से किन्हीं 3 का चयन करें

HIN-A01 : राजस्थान के प्रमुख संत कवि

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. जाम्भोजी : भारतीय साहित्य के निर्माता : हीरा लाल माहेश्वरी, साहित्य अकादमी, दिल्ली
   अध्याय 1 : पद – 1,2,4
   अध्याय 2 : पद – 2
   अध्याय 3 : पद – 2,8,13,14,26,39

   संत काव्य : आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, किताब महल, इलाहाबाद से निम्नांकित पाठ्यांश

2. दादूदयाल : पद – 1,2,3,4,5,7 साखी – 1 से 10
3. सुन्दरदास : पद 1 से 4, साखी – 1 से 10
4. सहजो बाई : सम्पूर्ण

अंक विभाजन :

व्याख्या – कुल चार (10 x 4 = 40 अंक)

आन्तरिक विकल्प देय

आलोचनात्मक प्रश्न कुल चार (15 x 4 = 60 अंक)

आन्तरिक विकल्प देय

व्याख्या और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति – डॉ. श्याम सुन्दर शुक्ल
2. हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय – पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल
3. उत्तरी भारत की संत परम्परा – परशुराम चतुर्वेदी
4. संत अंक (कल्याण) – गीता प्रेस, गोरखपुर
5. सहजो बाई का सहज प्रकाश – वेलवेडियर, प्रेस प्रयाग
6. सुन्दर ग्रंथावली – सं.हरिनारायण शर्मा,

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) – द्वितीय सेमेस्टर
इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)
6 में से किन्हीं 3 का चयन करें

HIN-A02 : रसखान

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश : रसखान रचनावली : सं. विद्या निवास मिश्र, सत्यदेव मिश्र, वाणी प्रकाशन दिल्ली से निम्नांकित पाठ्यांश

1. सुजान रसखान : पद 3,5,710,13,26,29,31,37,41,56,61,67,82,85,99,103, 124,129,130,140,145,155,159,169,174,191,225,240,248,
2. प्रेम वाटिका : पद 10 से 19 तथा 33 से 42

अंक विभाजन :

व्याख्या – कुल चार (10 x 4 = 40 अंक)

आन्तरिक विकल्प देय

आलोचनात्मक प्रश्न कुल चार (15 x 4 = 60 अंक)

आन्तरिक विकल्प देय

व्याख्या और प्रश्न प्रत्येक इकाई से पूछा जाना अपेक्षित है

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – रामकुमार वर्मा
3. हिन्दी के मुसलमान कवियों का प्रेम काव्य – गुरूदेव प्रसाद वर्मा
4. रसखान और उनका काव्य – चन्द्रशेखर पाण्डेय
5. रसखान : जीवन और कृतित्व – देवेन्द्र प्रताप उपाध्याय
6. रसखान ग्रंथावली – आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. रसखान : काव्य और भक्ति भावन – डॉ. माजरा असद
8. रसखान पदावली – सं. – प्रभुदत्त ब्रहमचारी

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

16

एम.ए. (हिन्दी) – द्वितीय सेमेस्टर
इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)
6 में से किन्हीं 3 का चयन करें

HIN-A03 : साहित्य और सिनेमा

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

इकाई 1. सिनेमा का उदय और अवाक् सिनेमा
- सवाक् सिनेमा का आरम्भ
- सिनेमा और साहित्य का अन्त : संबंध
- नाटक और पटकथा – सिनेमा के संदर्भ में

इकाई 2. सिनेमा और भारतीय समाज का संबंध
- पौराणिक फिल्मों का दौर
- ऐतिहासिक फिल्मों का दौर
- सामाजिक फिल्मों का दौर
- भारत की सामाजिक समस्याएं और हिन्दी सिनेमा

इकाई 3. हिन्दी सिनेमा और साहित्यकार (गद्यकार)
- उर्दू साहित्यकार – मण्टों, कृष्णचन्दर, राजेन्द्र सिंह बेदी
- हिन्दी के साहित्यकार – प्रेमचंद, अमृतलाल नागर, भगवती चरण वर्मा, फणीश्वर नाथ रेणु
- सिनेमा और साहित्यकार के संबंध

इकाई 4. हिन्दी सिनेमा और साहित्यकार (पद्यकार)
- संगीत और सिनेमा
- हिन्दी गीत और सिनेमा – नरेन्द्र शर्मा, नीरज, रामवतार त्यागी, राजेन्द्र कृष्ण आदि
- हिन्दी गीत की सिनेमा में उपस्थिति : सार्थकता और आवश्यकता

इकाई 5. सिनेमा और समाज का अन्तःसंबंध
- दर्शक की प्रतिक्रिया और सिनेमा
- सिनेमा की कलात्मकता
- सिनेमा में विम्ब विधान
- सिनेमा में प्रतीक विधान

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न	(20 x 4 = 80 अंक)
अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा।	(10 x 2 = 20 अंक)
सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।	

अनुशंसित ग्रंथ :

1. जवरीमल्ल पारख,जनसंचार माध्यमों का राजनीतिक चरित्र, अनामिका पब्लिशर्स।
2. रामअवतार अग्निहोत्री, आधुनिक हिन्दी सिनेमा का सामाजिक व राजनीतिक अध्ययन, कामनवेल्थ

Raj | Jain
Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

पब्लिशर्स
3. जवरीमल्ल पारख, लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ, अनामिका पब्लिशर्स
4. विजय अग्रवाल, आज का सिनेमा, नीलकंठ प्रकाशन
5. जवरीमल्ल पारख, हिन्दी सिनेमा का समाजशास्त्र, ग्रंथ शिल्पी प्रकाशन
6. विनोद दास, भारतीय सिनेमा का अंतःकरण, मेधा बुक्स
7. विजय अग्रवाल, सिनेमा और समाज, सत्साहित्य प्रकाशन
8. विनोद भारद्वाज, नया सिनेमा रूपा एंड कम्पनी
9. विजय अग्रवाल, सिनेमा की संवदेना, प्रतिमा प्रतिष्ठान
10. विजय अग्रवाल, सिनेमा और समाज, सत्साहित्य प्रकाशन दिल्ली
11. प्रहलाद अग्रवाल, आधी हकीकत आधा फसाना, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि. नई दिल्ली
12. विष्णु खरे, सिनेमा पढ़ने के तरीके, प्रवीण प्रकाशन नई दिल्ली
13. चिदानन्द दास गुप्ता, सत्यजीत राय का सिनेमा, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
14. विनोद दास, भारतीय सिनेमा का अंतःकरण, मेधा बुक्स, दिल्ली
15. तारकोवस्की, अनंत में फैलते बिंब, संवाद प्रकाशन, मुम्बई : मेरठ
16. जवरीमल्ल पारख, जनसंचार माध्यमों का सामाजिक चरित्र : अनामिका पब्लिशर्स दिल्ली
17. जगदीश्वर चतुर्वेदी, जनमाध्यम और मास कल्चर : सारांश प्रकाशन नई दिल्ली

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) – द्वितीय सेमेस्टर
इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)
6 में से किन्हीं 3 का चयन करें
HIN-A04 : अनुवाद : सिद्धान्त और प्रविधि

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. अनुवाद का अर्थ, स्वरूप एवं प्रकृति । अनुवाद कार्य की आवश्यकता एवं महत्व। बहुभाषी समाज में, परिवर्तन तथा बौद्धिक–सांस्कृतिक आदान–प्रदान में अनुवाद कार्य की भूमिका।
2. अनुवाद के प्रकार : शाब्दिक अुनवाद, भावनुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद। अनुवाद–प्रक्रिया के तीन चरण– विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन। अनुवाद की भूमिका के तीन पक्ष–पाठक की भूमिका (अर्थग्रहण की) द्विभाषिक की भूमिका (अर्थांतरण की प्रक्रिया) एवं रचयिता की भूमिका (अर्थसम्प्रेषण की प्रक्रिया)
3. सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की अपेक्षाएं। सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद में अन्तर। गद्यानुवाद एवं काव्यानुवाद में संरचनात्मक भेद। किन्हीं दो अनूदित कृतियों का समीक्षात्मक अध्ययन।
4. कार्यलयीन अनुवाद : राजभाषा नीति की अनुपालना में धारा 3 (3)के अर्न्तत निर्धारित दस्तावेज का अनुवाद। शासकीय पत्र / अर्धशासकीय पत्र/ परिपत्र (सर्कुलर) / ज्ञापन (प्रजेंटेशन)/ कार्यालय आदेश / अधिसूचना / संकल्प–प्रस्ताव (रेज्योलूशन)/ निविदा–संविदा/ विज्ञापन आदि के संबंधित तकनीकीपरक पारिभाषिक शब्दावली ।
पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धान्त, कार्यालय , प्रशासन विधि, मानविकी बैंक एवं रेलवे में प्रयुक्त होने वाली प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली तथा प्रमुख वाक्यांश के अंग्रेजी तथा हिन्दी रूप।

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न (20 x 4 = 80 अंक)

अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा। (10 x 2 = 20 अंक)

सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. अनुवाद सिद्धान्त एवं समस्याएं : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव एवं कृष्णकुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।
2. अनुवाद विज्ञान एवं संप्रेषण : हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
3. अनुवाद सिद्धान्त : डॉ.भोलानाथ तिवारी, साहित्य सहकार, दिल्ली
4. अनुवाद शिल्प: समकालीन संदर्भ : डॉ.कुसुम अग्रवाल, साहित्य सहकार दिल्ली
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धान्त और व्यवहार: रघुनन्दन प्रसाद शर्मा वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
6. अनुवाद सिद्धान्त एवं रूपरेखा : डॉ. सुरेश कुमार वाणी प्रकाशन दिल्ली।
7. अनुवाद सिद्धान्त एवं प्रयोग : जी. गोपीनाथ लोकभारती, इलाहाबाद।
8. अनुवाद विज्ञान सिद्धान्त तथा अनुप्रयोग : डा.नगेन्द्र, दिल्ली
9. अनुवाद की सामाजिक भूमिका : सीताराम पालीवाल, सचिन प्रकाशन, दिल्ली

Raj Jain
Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) -- द्वितीय सेमेस्टर
इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)
6 में से किन्हीं 3 का चयन करें
HIN-A05 : पत्रकारिता और जनसंचार

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

हिन्दी पत्रकारिता :

पत्रकारिता की परिभाषा, प्रकृति, उद्देश्य एवं महत्व, पत्रकारिता का इतिहास

पत्रकारिता की विधाएं--प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया

मुक्त प्रेस की अवधारणा, प्रेस कानून और आचार--संहिता। लोकतंत्र का चतुर्थ स्तंभः पत्रकारिता

जनसंचार :

जनसंचार -- परिभाषा, प्रकृति, उद्देश्य एवं महत्व।

संचार -- परिभाषा, प्रकृति, महत्व एवं प्रकार, जनसंचार के सिद्धान्त

जनसंचार के माध्यम -- प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रोनिक मीडिया, परम्परागत माध्यम जनसंचार एवं विकास

रिर्पोटिंग और सम्पादन :

समाचार पत्र संगठन की संरचना (संपादकीय, प्रबंधन व प्रसार की रूपरेखा)

रिर्पोटिंग -- परिभाषा, प्रकृति, उद्देश्य एवं महत्व, रिपोर्टर के गुण, कार्य एवं दायित्व

संपादन -- परिभाषा, प्रकृति, उद्देश्य एवं महत्व, सम्पादक एवं उपसंपादक के कार्य एवं दायित्व

समाचार पत्र के सम्पादन में बरती जाने वाली सावधानियाँ

जनसम्पर्क एवं विज्ञापन :

जनसम्पर्क -- परिभाषा, प्रकृति,उद्देश्य एवं महत्व, सरकारी एवं गैरसरकारी क्षेत्रों में जनसम्पर्क, जनमत निर्माण

विज्ञापन -- परिभाषा, प्रकृति, उद्देश्य एवं महत्व, विज्ञापन के विभिन्न प्रकार

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न (20 x 4 = 80 अंक)
अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा। (10 x 2 = 20 अंक)
सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।

Raj Jain

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

अनुशासत ग्रथ :

हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास : अर्जुन तिवारी
पत्रकारिता एवं संपादन कला : एन.सी.पंत
हिन्दी पत्रकारिता : डॉ.धीरेन्द्रनाथ सिंह
समकालीन पत्रकारिता : मूल्यांकन और मुददे – राजकिशोर
जनसम्पर्क एवं विज्ञापन : संतोष गोयल
पत्रकारिता की चुनौतियां : गणेश मंत्री
रूपक लेखन : ब्रजभूषण सिंह

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) – द्वितीय सेमेस्टर
इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)
6 में से किन्हीं 3 का चयन करें

HIN-A06 : मीरा

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यांश : मीरा पदावली : सं. डॉ. शम्भुसिंह मनोहर, रिसर्च पब्लिकेशन जयपुर से निम्नांकित पाठ्यांश

पद – 01 से 100 तक

अंक विभाजन :

व्याख्या – कुल चार (10 x 4 = 40 अंक)

आन्तरिक विकल्प देय

आलोचनात्मक प्रश्न कुल चार (15 x 4 = 60 अंक)

आन्तरिक विकल्प देय

अनुशंसित ग्रंथ :

1. उत्तर भारत की संत परंपरा : परशुराम चतुर्वेदी
2. मीराँ – मंदाकिनी : नरोत्तमदास स्वामी
3. मीराँ : माधुरी : ब्रजरत्नदास
4. मीराँ : एक अध्ययन – पद्मावती शबनम
5. मीराँ का काव्य – विश्वनाथ त्रिपाठी
6. मीराँ, सहजो और दयाबाई : वियोगी हरि
7. मीराँ–पदावली – परशुराम चतुर्वेदी
8. मीराँ वृहत–पद–संग्रह – पद्मावती शबनम
9. मीराँ की प्रेम साधना – भुवनेश्वर 'मिश्र' माधव
10. पचरंग चोला पहन सखी री : माधव हाड़ा
11. राजस्थानी भाषा और साहित्य – डॉ. मोतीलाल मेनारिया
12. राजस्थानी भाषा और साहित्य – डॉ. हीरालाल माहेश्वरी
13. मध्यकालीन हिन्दी कविय त्रियां – सावित्री सिन्हा
14. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास – डॉ. सुमन राजे

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

अनिवार्य कोर कोर्स
HIN-301 हिन्दी साहित्य का इतिहास – रीतिकाल

इकाई 1

रीतिकाल – नामकरण एवं सीमांकन

रीतिकाल की तत्कालीन परिस्थितियां (राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक)

'रीति' शब्द की व्याख्या और रीतिकाव्य का लक्षण – शास्त्रीय और साहित्यिक पृष्ठाधार

इकाई 2

रीतिकाव्य की मूल प्रवृत्तियाँ

रीतिकाव्य की प्रमुख धाराएँ –

- रीतिबद्ध काव्य – सामान्य विशेषताएं एवं प्रमुख कवि
- रीतिसिद्ध काव्य – सामान्य विशेषताएं एवं प्रमुख कवि
- रीतिमुक्त काव्य – सामान्य विशेषताएं एवं प्रमुख कवि

इकाई 3

रीतिकाल की अन्य प्रवृत्तियाँ – भक्तिकाव्य, वीरकाव्य, नीतिकाव्य

रीतिकाल का गद्य साहित्य

रीतिकाल की उपलब्धियाँ

इकाई 4

काव्य के अंग – रस, छंद, अलंकार

काव्य गुण, काव्य दोष, शब्द–शक्ति

अंक विभाजन –

चार आलोचनात्मक प्रश्न – इकाई 1,2 एवं 3 से (आंतरिक विकल्प देय) (20 x 4 = 80)
एक टिप्पणीपरक प्रश्न इकाई 4 से (आंतरिक विकल्प देय) (10 x 2 = 20)

अनुशंसित ग्रंथ

1. हिन्दी रीति साहित्य – भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. रीति काव्य की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का अतीत, भाग 1 – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. रीतिकवियों की मौलिक देन – किशोरीलाल, साहित्य भवन प्रा.लि., इलाहाबाद
5. रीतिकाव्य – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. केशवदास – विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. बिहारी का नया मूल्यांकन – बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. रीति काव्य : मूल्यांकन के नये आयाम – सं. प्रभाकर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. काव्यशास्त्र विमर्श – कृष्णनारायण प्रसाद 'मागध', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. रीति काव्य की इतिहास दृष्टि – सुधीन्द्र कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

इकाई 1

केशवदास – रामचन्द्रिका – लक्ष्मण परशुराम संवाद, अंगद रावण संवाद

इकाई 2

बिहारी – बिहारी रत्नाकर (सं. जगन्नाथदास रत्नाकर) – प्रथम 50 दोहे

इकाई 3

भूषण – भूषण ग्रंथावली (सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) – प्रथम 20 छंद

इकाई 4

घनानंद – घनानंद कवित्त (सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) – प्रथम 20 छंद

अंक विभाजन –

चार व्याख्याएं (आंतरिक विकल्प देय) (10x 4 = 40)

चार आलोचनात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) (15x 4 = 60)

प्रत्येक इकाई से व्याख्या और प्रश्न पूछा जाना अपेक्षित है।

अनुशंसित ग्रंथ –

1. रीतिकाव्य – नंदकिशोर नवल
2. केशवदास – विजयपाल सिंह
3. घनानन्द का काव्य – रामदेव शुक्ल
4. बिहारी की काव्यभूमि – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. बिहारी का नया मूल्यांकन – बच्चन सिंह
6. घनानन्द – मनोहर लाल गौड़

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) तृतीय सेमेस्टर
कम्पलसरी कोर कोर्स
HIN-303 पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

इकाई 1

प्लेटो – काव्य चिंतन

अरस्तू – अनुकरण एवं त्रासदी सिद्धान्त

लोंजाइनस – काव्य में उदात्त तत्त्व

इकाई 2

कॉलरिज – कल्पना तथा फेंटेसी

वड्र्सवर्थ – काव्य भाषा सिद्धांत

क्रोचे – अभिव्यंजनावाद

इकाई 3

टी.एस. इलियट – परम्परा तथा वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिता का सिद्धान्त

आई. ए. रिचड्र्स – मूल्य सिद्धांत, संप्रेषण सिद्धांत

नई समीक्षा

इकाई 4

मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, यथार्थवाद, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता, संरचनावाद, विखण्डनवाद, शैली विज्ञान

अंक विभाजन –

चार आलोचनात्मक प्रश्न – इकाई 1,2,3 से (आंतरिक विकल्प देय)	(20 x 4 = 80)
एक टिप्पणीपरक प्रश्न (दो टिप्पणियां) – इकाई 4 से (विकल्प देय)	(10 x 2 = 20)

अनुशंसित ग्रंथ –

1. काव्य चिंतन की पश्चिमी परम्परा – निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास – तारकनाथ बाली, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ – सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – विजय बहादुर सिंह, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
6. संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद और प्राच्यवाद – गोपीचंद नारंग, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : नई प्रवृत्तियाँ – राजनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिन्दी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली – अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. प्लेटो के काव्य सिद्धांत – निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. पाश्चात्य साहित्य चिंतन – करुणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)
HIN A01- A06 में से किन्हीं 3 का चयन करें

A01. हिन्दी कहानी

पूर्णांक : 100

- हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास
- निर्धारित पाठ –
  1. कफ़न – प्रेमचंद
  2. नीलम देश की राजकन्या – जैनेन्द्र कुमार
  3. हीलीबोन की बत्तखें – अज्ञेय
  4. लंदन की एक रात – निर्मल वर्मा
  5. डिप्टी कलक्टरी – अमरकांत
  6. लाल पान की बेगम – फणीश्वरनाथ रेणु
  7. खोई हुई दिशाएं – कमलेश्वर
  8. सिक्का बदल गया – कृष्णा सोबती
  9. बहिर्गमन – ज्ञानरंजन
  10. लकड़बग्घा – चित्रा मुद्गल
  11. टेपचू – उदय प्रकाश
  12. सलीब पर सांस – आलम शाह खान

अंक विभाजन –

चार व्याख्याएं (आंतरिक विकल्प देय) (10 x 4 = 40)
एक कहानी से एक ही व्याख्या पूछी जायेगी
चार आलोचनात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) (15 x 4 = 60)
कहानी, कहानीकार एवं कहानी के इतिहास से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे।

अनुशंसित ग्रंथ –

1. हिन्दी कहानी का विकास – मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिन्दी कहानी का इतिहास : भाग 1,2,3 – गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कहानी : नई कहानी – नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. कहानी की रचना प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
6. कथा समय – विजयमोहन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. एक दुनिया समानान्तर – सं. राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिन्दी की प्रतिनिधि कहानियाँ – जयंती प्रसाद नौटियाल, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

HIN A01- A06 में से किन्हीं 3 का चयन करें

A02. हिन्दी नाटक एवं रंगमंच

- हिन्दी नाटक का उद्‌भव और विकास
- हिन्दी रंगमंच की परम्परा और प्रयोग
- निर्धारित पाठ –
  1. अंधेर नगरी – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
  2. स्कन्दगुप्त – जयशंकर प्रसाद
  3. आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश
  4. बकरी – सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

अंक विभाजन –

चार व्याख्याएं (आन्तरिक विकल्प देय) (10 x 4 = 40)
चार आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय) (15 x 4 = 60)
नाटक, नाटककार एवं नाटक–रंगमंच के इतिहास से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे।

अनुशंसित ग्रंथ –

1. हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास – दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली
2. हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. नाटककार भारतेन्दु : नये संदर्भ, नये विमर्श – सं. रमेश गौतम, नई किताब, दिल्ली
4. मोहन राकेश और उनके नाटक – गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ प्रसाद शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. जयशंकर प्रसाद : रंगसृष्टि, भाग 1, 2 – महेश आनन्द, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली
7. रंगमंच के सिद्धान्त – महेश आनन्द, देवेन्द्रराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. रंगमंच का सौन्दर्यशास्त्र – देवेन्द्रराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. हिन्दी नाट्यशास्त्र का स्वरूप – डॉ. नर्मदेश्वर राय, हिन्दी ग्रंथ कुटीर, पटना
10. बीसवीं सदी में हिन्दी नाटक और रंगमंच – गिरीश रस्तोगी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

HIN A01- A06 में से किन्हीं 3 का चयन करें

A03. हिन्दी निबंध

पूर्णांक : 100

इकाई 1

हिन्दी निबंध का उद्‌भव और विकास

रामचंद्र शुक्ल – चिंतामणि – भाग 1 (करुणा, उत्साह, श्रद्धा और भक्ति, कविता क्या है)

इकाई 2

हजारीप्रसाद द्विवेदी – अशोक के फूल (अशोक के फूल, मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है, वसंत आ गया है, भारतवर्ष की सांस्कृतिक समस्या, मानव ही साहित्य का लक्ष्य है)

इकाई 3

बालमुकुंद गुप्त – शिवशंभू के चिट्ठे (बनाम लार्ड कर्जन, वायसराय का कर्तव्य, आशा का अंत, बंग विच्छेद)

हरिशंकर परसाई – विकलांग श्रद्धा का दौर, घायल बसंत, गर्दिश के दिन

इकाई 4

विद्यानिवास मिश्र – तुम चंदन हम पानी (मोर का आवाहन, तुम चंदन हम पानी, मुरली की टेर)

निर्मल वर्मा – कला का जोखिम (कला, मिथक और यथार्थ, परंपरा और इतिहासबोध)

अंक विभाजन –

चार व्याख्याएं (आंतरिक विकल्प देय) (10 x 4 = 40)

चार आलोचनात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) (15 x 4 = 60)

प्रत्येक इकाई से व्याख्या एवं प्रश्न पूछा जाना अपेक्षित है।

अनुशंसित ग्रंथ –

1. समकालीन हिन्दी निबंध – कमला प्रसाद, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
2. हिन्दी निबंधकार – विभुराम मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिन्दी निबंध और निबंधकार – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. हिन्दी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन – डॉ. बाबूराम, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. बालमुकुन्द गुप्त – सं. कल्याणमल लोढ़ा
6. निबंधकार हजारीप्रसाद द्विवेदी – उषा सिंहल, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
7. निबंधकार अज्ञेय – प्रभाकर मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. आंखिन देखी – सं. कमला प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9. अमृतपुत्र विद्यानिवास मिश्र – सं. कुमुद शर्मा, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
10. ललित निबंध : स्वरूप और परम्परा – श्रीराम परिहार, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

इलेक्टिव कोर कोर्स (विकल्पक प्रश्नपत्र)

HIN A01- A06 में से किन्हीं 3 का चयन करें

A04. स्त्री साहित्य

पूर्णांक : 100

इकाई 1. स्त्री विमर्श और स्त्री साहित्य : अवधारणा और सरोकार
स्त्रीवाद और स्त्री मुक्ति आंदोलन : ऐतिहासिक रूपरेखा
भारतीय सामाजिक संरचना और स्त्री प्रश्न
हिन्दी साहित्य परंपरा में स्त्री अस्मिता एवं मुक्ति के प्रश्न

इकाई 2 निबंध
शृंखला की कड़ियां – महादेवी वर्मा

इकाई 3 उपन्यास
कठगुलाब – मृदुला गर्ग

इकाई 4. कहानी
यही सच है – मन्नू भंडारी
आपकी छोटी लड़की – ममता कालिया
वसुमती की चिट्ठी – मैत्रेयी पुष्पा
आवाज – चंद्रकांता
यूटोपिया – वंदना राग

नाटक
नेपथ्य राग – मीरा कांत

इकाई 5. कविता
सात भाइयों के बीच चम्पा, हॉकी खेलती लडकियां, रात्त के संतरी की कविता,
अपराजिता, मां के लिए एक कविता – कात्यायनी
स्त्रियां, आम्रपाली, नमक, एक औरत का पहला राजकीय प्रवास,
प्रेम के लिए फांसी : 1, 2 – अनामिका
सच्ची कविता के लिए, मैं किसकी औरत हूँ, स्वप्न समय,
मनोकामनाओं जैसी स्त्रियां – सविता सिंह
स्त्री विमर्श, उलटबांसी, पेड़ों का शहर, चिड़िया की आंख से – नीलेश रघुवंशी
धूप तो कब की जा चुकी है, यहीं कहीं था घर, सन्नाटे का संगीत,
जिन्हें वे संजोकर रखना चाहती थीं, अकेली औरत का हंसना -- सुधा अरोड़ा

अंक विभाजन –

चार व्याख्याएं – इकाई 2,3,4,5 से (आंतरिक विकल्प देय) (10 x 4 = 40)
चार आलोचनात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) (15 x 4 = 60)

अनुशंसित ग्रंथ –

1. स्त्री संघर्ष का इतिहास – राधा कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास – सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
3. हिन्दी कविता में स्त्री स्वर – सुनीता गुप्ता, नयी किताब, नई दिल्ली
4. नवजागरण और महादेवी वर्मा का रचनाकर्म : स्त्री विमर्श के स्वर – कृष्णदत्त पालीवाल, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
5. स्त्री : स्वप्न और संकल्प – रोहिणी अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. स्त्री विमर्श : भारतीय परिप्रेक्ष्य – के.एम.मालती, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Raj | Tao

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

इलाक्टव कार कास (वकाल्पक प्रश्नपत्र)

HIN A01-A06 में से किन्हीं 3 का चयन करें

A05. मास मीडिया

पूर्णांक : 100

इकाई 1

भारत में प्रेस तथा समाचार एजेंसियों का उद्‌भव
भारतीय प्रेस और स्वतंत्रता आन्दोलन
स्वातंत्र्योत्तर भारतीय प्रेस
भारतीय प्रेस – समस्याएं और समाधान

इकाई 2

जनसंचार माध्यम के रूप में रेडियो का विकास
रेडियो प्रसारण की नयी दिशाएँ
एफ. एम. रेडियो तथा निजी प्रयास

इकाई 3

जनसंचार माध्यम के रूप में टेलीविजन का विकास
भारत में टेलीविजन की लोकप्रियता
सैटेलाइट और केबल टेलीविजन का विस्तार

इकाई 4

जनसंचार माध्यम के रूप में सिनेमा
हिन्दी सिनेमा का उद्‌भव और विकास
स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी सिनेमा – दिशाएँ और समस्याएँ

इकाई 5

जनसंचार माध्यमों की पहुँच और विकास
इन्टरनेट, ऑन लाईन संचार, आधुनिक तकनीक और संचार

अंक विभाजन –

चार निबंधात्मक प्रश्न – प्रत्येक इकाई से एक (आंतरिक विकल्प देय) (20 x 4 = 80)
एक टिप्पणी परक प्रश्न (दो टिप्पणियां, विकल्प देय) (10 x 2 = 20)

अनुशंसित ग्रंथ –

1. मीडिया एवं सूचना प्रौद्योगिकी कोश – रमेश जैन तथा कैलाश शर्मा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
2. प्रेस विधि डॉ. नंदकिशोर त्रिखा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. हिन्दी पत्रकारिता : स्वरूप और आयाम – राधेश्याम शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
4. मीडिया प्रबंधन के सांस्कृतिक आयाम – टी.डी.एस. आलोक, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. मीडिया और मुद्दे – नवीन जोशी, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली
6. Indias Communication : Revolution from Bullock Carts to Cyber Merits – Arvind Singhal and Eversett M. Rogers, Sage Publications, New Delhi
7. Broadcasting in India – P.C. Benerjee, Sage Publications, New Delhi
8. Radio and T.V. Journalism – K.M. Shrivastava, Sterling Publishers, New Delhi

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) – तृतीय समस्टर
इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)
HIN A01- A06 में से किन्हीं 3 का चयन करें

A06. प्रेमचंद

पूर्णांक : 100

इकाई 1
उपन्यास – रंगभूमि

इकाई 2
नाटक – कर्बला

इकाई 3
कहानी – प्रतिनिधि कहानियाँ : प्रेमचंद (संपादक – भीष्म साहनी)

इकाई 4
निबंध – साहित्य का उद्देश्य

अंक विभाजन –

चार व्याख्याएं (आंतरिक विकल्प देय)	(10 x 4 = 40)
चार आलोचनात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय)	(15 x 4 = 60)

सभी इकाई से व्याख्या एवं प्रश्न अपेक्षित है।

अनुशंसित ग्रंथ –

1. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रेमचंद का सौन्दर्यशास्त्र – नंदकिशोर नवल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. प्रेमचंद और भारतीय समाज – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. प्रेमचंद : विगत महत्ता और वर्तमान अर्थवत्ता – सं. मुरली मनोहर प्रसाद सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. कलम का मजदूर – मदन गोपाल , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. प्रेमचंद की कहानी यात्रा और भारतीयता – कमलकिशोर गोयनका, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली
7. भारतीय समाज, राष्ट्रवाद और प्रेमचंद – जितेन्द्र श्रीवास्तव, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली
8. प्रेमचंद की विरासत – राजेन्द्र यादव, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली
9. प्रेमचंद एक साहित्यिक विवेचन – नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. प्रेमचंद : विरासत का सवाल – शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

31

कम्पलसरी कोर कोर्स

HIN 401. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आधुनिक काल

पूर्णांक : 100

इकाई 1

आधुनिक काल की पृष्ठभूमि
आधुनिकता का उन्मेष एवं तत्कालीन परिस्थितियाँ
आधुनिक काल में साहित्य की नयी प्रवृत्तियां का उदय
भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, राष्ट्रीय काव्यधारा : प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ

इकाई 2

छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता एवं स्वातंत्र्योत्तर कविता : साहित्यिक प्रवृत्तियों का अध्ययन

इकाई 3

आधुनिक कथा साहित्य : उद्भव और विकास
कहानी और उपन्यास

इकाई 4

कथेतर गद्य की प्रमुख विधाएँ : उद्भव और विकास
नाटक, निबंध, आलोचना, संस्मरण, रेखाचित्र, आत्मकथा

इकाई 5

आधुनिक विमर्श और हिन्दी साहित्य
उत्तर आधुनिकता, भूमंडलीकरण, हाशिए की वैचारिकी और साहित्य

अंक विभाजन –

कुल पाँच प्रश्न
चार आलोचनात्मक प्रश्न – इकाई 1–4 से (आंतरिक विकल्प देय) (20 x 4 = 80)
एक टिप्पणीपरक प्रश्न (दो टिप्पणियां) – इकाई 5 से (10 x 2 = 20)

अनुशंसित ग्रंथ –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. नगेन्द्र, मयूर पेपरबैक्स, नई दिल्ली
4. हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. आधुनिकता और हिन्दी साहित्य – इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. बीसवीं शताब्दी का हिन्दी साहित्य – विजयमोहन सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – नामवर सिंह लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. हिन्दी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली – अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

कम्पलसरी कोर कोर्स

HIN 402. आधुनिक काव्य – I

पूर्णांक : 100

इकाई 1

साकेत (नवम सर्ग)	–	मैथिलीशरण गुप्त

इकाई 2

कामायनी (श्रद्धा सर्ग)	–	जयशंकर प्रसाद
सरोज स्मृति	–	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

इकाई 3

असाध्य वीणा	–	सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
ब्रह्मराक्षस, भूल गलती	–	गजानन माधव मुक्तिबोध

इकाई 4

कुरुक्षेत्र (छठा सर्ग)	–	रामधारी सिंह दिनकर
कैदी और कोकिला	–	माखनलाल चतुर्वेदी

अंक विभाजन –

चार व्याख्याएं (आंतरिक विकल्प देय) (10 x 4 = 40)

चार आलोचनात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) (15 x 4 = 60)

प्रत्येक इकाई से व्याख्या और प्रश्न पूछा जाना अपेक्षित है।

अनुशंसित ग्रंथ –

1. साकेत : एक अध्ययन – नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली
2. मैथिलीशरण – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कामायनी : अध्ययन की समस्याएं – नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली
4. कामायनी का रचना संसार – प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
6. निराला का काव्य – बच्चन सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकूला
7. निराला : कृति से साक्षात्कार – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. असाध्य वीणा : पाठ और आलोचनात्मक संदर्भ – सं. छबिल कुमार मेहेर, आधार प्रकाशन, पंचकूला
9. अज्ञेय : सृजन की समग्रता – रामकमल राय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. दिनकर : अर्द्धनारीश्वर कवि – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) – चतुर्थ सेमेस्टर
कम्पलसरी कोर कोर्स
HIN 403. आधुनिक काव्य – II

इकाई 1

हरिजन गाथा	–	नागार्जुन
पटकथा	–	धूमिल

इकाई 2

सतपुड़ा के जंगल	–	भवानीप्रसाद मिश्र
कुआनो नदी	–	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

इकाई 3

समय देवता	–	नरेश मेहता
तालस्ताॅय और साइकिल	–	केदारनाथ सिंह

इकाई 4

हॉकी खेलती लडकियां, सात भाइयों के बीच चम्पा मां के लिए एक कविता	–	कात्यायनी
आम्रपाली, नायिका भेद, अमीर खुसरो, स्त्रियां, नमक	–	अनामिका

अंक विभाजन –

चार व्याख्याएं (आंतरिक विकल्प देय) (10 x 4 = 40)

चार आलोचनात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) (15 x 4 = 60)

प्रत्येक इकाई से व्याख्या और प्रश्न पूछा जाना अपेक्षित है।

अनुशंसित ग्रंथ –

1. हिन्दी काव्य का इतिहास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. कविता के नये प्रतिमान – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. नागार्जुन की कविता – अजय तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. धूमिल और उसका काव्य संघर्ष – ब्रह्मदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. धूमकेतु धूमिल और साठोत्तरी कविता – मीनाक्षी जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
6. नरेश मेहता : कविता की ऊर्ध्व यात्रा – रामकमल राय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. भवानी प्रसाद मिश्र का काव्य संसार – कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का रचना कर्म – कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9. हिन्दी की लंबी कविताओं का आलोचनात्मक पक्ष – राजेन्द्र प्रसाद सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. समकालीन काव्ययात्रा – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. समकालीन हिन्दी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. कविता का स्त्री पक्ष – प्रमिला के.पी., जवाहर पुस्तक सदन, मथुरा
13. अनामिका : एक मूल्यांकन सं. अभिषेक कश्यप, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) – चतुर्थ सेमेस्टर

इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

HIN A01- A06 में से किन्हीं 3 का चयन करें

A01. हिन्दी उपन्यास

- हिन्दी उपन्यास का उद्‌भव और विकास
- निर्धारित पाठ –
  1. गोदान – प्रेमचंद
  2. मैला आँचल – फणीश्वरनाथ रेणु
  3. शेखर – एक जीवनी (भाग 1,2) – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
  4. दिव्या – यशपाल

अंक विभाजन –

चार व्याख्याएं	(10 x 4 = 40)
चार आलोचनात्मक प्रश्न	(15 x 4 = 60)

प्रत्येक उपन्यास से व्याख्या और प्रश्न पूछा जाना अपेक्षित है।

अनुशंसित ग्रंथ –

1. हिन्दी उपन्यास का इतिहास – गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. उपन्यास की संरचना – गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी उपन्यास का विकास – मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
4. गोदान : नया परिप्रेक्ष्य – गोपाल राय, अनुपम प्रकाशन, पटना
5. गोदान का महत्व – सं. सत्यप्रकाश मिश्र, नई कहानी प्रकाशन, इलाहाबाद
6. मैला आँचल : वाद–विवाद – सं. भारत यायावर, आधार प्रकाशन, पंचकूला
7. मैला आँचल का महत्व – सं. मधुरेश, सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद
8. अज्ञेय और उनका कथा साहित्य – गोपाल राय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9. शेखर एक जीवनी : विविध आयाम – सं. रामकमल राय, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
10. यशपाल : रचनात्मक पुनर्वास – मधुरेश, आधार प्रकाशन, पंचकूला

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

HIN A01- A06 में से किन्हीं 3 का चयन करें

A02. हिन्दी आलोचना

इकाई 1

- हिन्दी आलोचना का उद्भव एवं विकास
- प्रमुख आलोचक और उनके आलोचना सिद्धांत
  1. रामचन्द्र शुक्ल
  2. हजारीप्रसाद द्विवेदी
  3. डॉ. नगेन्द्र
  4. नंददुलारे वाजपेयी
  5. रामविलास शर्मा
  6. गजानन माधव मुक्तिबोध
  7. रामस्वरूप चतुर्वेदी

इकाई 2

रचनाकार समीक्षक

प्रेमचंद, रामधारी सिंह दिनकर, विजयदेव नारायण साही, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

अंक विभाजन –

कुल पांच प्रश्न

चार निबंधात्मक प्रश्न – इकाई 1 से (आंतरिक विकल्प देय) (20 x 4 = 80)

एक टिप्पणीपरक प्रश्न (दो टिप्पणियां) – इकाई 2 से (विकल्प देय) (10 x 2 = 20)

अनुशंसित ग्रंथ –

1. हिन्दी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी आलोचना : शिखरों का साक्षात्कार – रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. आलोचक और आलोचना – कमला प्रसाद, आधार प्रकाशन, पंचकूला
5. हिन्दी आलोचना का दूसरा पाठ – निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिन्दी आलोचना का विकास – मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिन्दी के रचनाकार आलोचक – योगेश प्रताप शेखर, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
9. दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. आलोचक और आलोचना सिद्धांत – रतन कुमार पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (हिन्दी) – चतुर्थ सेमेस्टर
इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)
HIN A01-A06 में से किन्हीं 3 का चयन करें
A03. कथेतर गद्य विधाएं

- हिन्दी गद्य का विकास
- हिन्दी गद्य की विभिन्न विधाएं – संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रावृत्त, रिपोर्ताज, जीवनी, आत्मकथा, डायरी, साक्षात्कार

इकाई 1

संस्मरण – दंतकथाओं में त्रिलोचन : काशीनाथ सिंह

रेखाचित्र – चीनी फेरीवाला : महादेवी वर्मा

इकाई 2

यात्रावृत्त – चीड़ों पर चाँदनी : निर्मल वर्मा

रिपोर्ताज – ऋणजल – धनजल : फणीश्वरनाथ रेणु

इकाई 3

जीवनी – आवारा मसीहा (प्रथम एवं द्वितीय पर्व) : विष्णु प्रभाकर

आत्मकथा – अपनी खबर : पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'

इकाई 4

डायरी – हँसते हुए मेरा अकेलापन : मलयज

साक्षात्कार – हजारीप्रसाद द्विवेदी से मनोहर श्याम जोशी का साक्षात्कार

अंक विभाजन –

चार व्याख्याएं (आंतरिक विकल्प देय) (10 x 4 = 40)

चार आलोचनात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) (15 x 4 = 60)

प्रत्येक इकाई से व्याख्या और प्रश्न पूछा जाना अपेक्षित है।

अनुशंसित ग्रंथ –

1. हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास और विश्लेषण – विजयमोहन सिंह, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
3. हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. साहित्य विधाओं की प्रकृति – सं. देवीशंकर अवस्थी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. बीसवीं शताब्दी का हिन्दी साहित्य – सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
6. साहित्यिक विधाएं : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR

इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

HIN A01- A06 में से किन्हीं 3 का चयन करें

A04. दलित साहित्य

पूर्णांक : 100 अंक

इकाई 1

दलित का आशय, दलित साहित्य की अवधारणा एवं सरोकार
दलित साहित्य आंदोलन के उदय की पृष्ठभूमि
मराठी दलित आंदोलन, हिन्दी दलित आंदोलन
दलित साहित्य की सैद्धांतिकी : बौद्ध धम्म एवं दर्शन, फुले–अम्बेडकरवाद, अस्मितावाद और दलित सौन्दर्यशास्त्र
दलित साहित्य की प्रमुख विधाएं एवं रचनाकार

इकाई 2

आत्मकथा
मुर्दहिया – तुलसीराम

इकाई 3

उपन्यास
छप्पर – जयप्रकाश कर्दम

इकाई 4

कहानी
पच्चीस चौका डेढ़ सौ – ओमप्रकाश वाल्मीकि
बदबू – सूरजपाल चौहान
घायल शहर की एक बस्ती – मोहनदास नैमिशराय
सिलिया – सुशीला टाकभौरे
पटकथा – अजय नावरिया

नाटक
वीमा – रत्नकुमार सांभरिया

इकाई 5

कविता
अछूत की शिकायत – हीरा डोम
ठाकुर का कुंआ, शायद आप जानते हो – ओमप्रकाश वाल्मीकि
शम्बूक, तब तुम्हारी निष्ठा क्या होती – कंवल भारती
सुनो ब्राह्मण, हमारे गांव में – मलखान सिंह
पंख मेरे फड़फड़ाते हैं, सपने सज जायेंगे – सुशीला टाकभौरे

अंक विभाजन –

चार व्याख्याएं – इकाई 1, 3, 4, 5 से (आंतरिक विकल्प देय) (10 x 4 = 40)
चार आलोचनात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय) (15 x 4 = 60)

अनुशंसित ग्रंथ –

1. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – शरणकुमार लिंबाले, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. दलित साहित्य के प्रतिमान – डॉ. एन. सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र – ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. दलित साहित्य का समाजशास्त्र – हरिनारायण ठाकुर, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
5. हिन्दी दलित साहित्य : एक मूल्यांकन – सं. प्रमोद कोवप्रत, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. दलित साहित्य : बुनियादी सरोकार – कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. दलित साहित्य : एक अंतर्यात्रा – बजरंग बिहारी तिवारी, नवारुण प्रकाशन, नई दिल्ली

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

इलेक्टिव कोर कोर्स (वैकल्पिक प्रश्न पत्र)

HIN A01- A06 में से किन्हीं 3 का चयन करें

A05. भाषा प्रौद्योगिकी

इकाई 1

- हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर की सामान्य परिचय
- संगणक (Computer) की बनावट तथा कार्यप्रणाली का अध्ययन

इकाई 2

- भाषा प्रौद्योगिकी – अर्थ, स्वरूप और कार्य
- संगणक साधित हिन्दी भाषा प्रौद्योगिकी

इकाई 3

- मानक हिन्दी यूनिकोड – नोट पैड, वर्ड पैड, फॉण्ट तथा मुद्रण संबंधी सुविधाएं
- यूनीकोड में परिवर्तन संबंधी सॉफ्टवेयर

इकाई 4

- विविध हिन्दी सॉफ्टवेयर तथा फॉण्ट में टंकण
- भारतीय भाषाओं के सॉफ्टवेयरों का अध्ययन

इकाई 5

- इण्टरनेट और हिन्दी
- ई–मेल, नेटवर्क अभियांत्रिकी
- वेब डिजाइनिंग, ब्लॉग लेखन, ऑडियो–वीडियो सम्पादन, वेबसाइट निर्माण

अंक विभाजन –

चार निबंधात्मक प्रश्न – इकाई 1, 2, 3, 4 से (आंतरिक विकल्प देय) (20 x 4 = 80)

एक टिप्पणीपरक प्रश्न (दो टिप्पणियां) – इकाई 5 से (10 x 2 = 20)

अनुशंसित ग्रंथ –

1. भाषा और प्रौद्योगिकी – डॉ विनोद प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भाषा प्रौद्योगिकी – डॉ. सूर्य प्रसाद दीक्षित, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – डॉ. विजयकुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कम्प्यूटर सूचना प्रणाली विकास – रामबंस विज्ञानाचार्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

Elective for third (वैकल्पिक प्रश्न पत्र)

HIN A01- A06 में से किन्हीं 3 का चयन करें

A06. आधुनिक भारतीय साहित्य

इकाई 1

क. भारतीयता और भारतीय साहित्य की अवधारणा
भारतीय साहित्य की आधारभूत विशेषताएं
भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएं

ख. आधुनिकता और भारतीय साहित्य
आधुनिक भारतीय उपन्यास : सामान्य परिचय
आधुनिक भारतीय कविता : सामान्य परिचय
आधुनिक भारतीय नाटक : सामान्य परिचय

इकाई 2
ययाति (उपन्यास) – विष्णु सखाराम खाण्डेकर

इकाई 3
गीतांजलि (काव्य) – रवीन्द्रनाथ टैगोर

इकाई 4
हयवदन (नाटक) – गिरीश कर्नाड

अंक विभाजन –

तीन व्याख्याएं (आंतरिक विकल्प देय)	(10 x 3 = 30)
चार आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक इकाई से)	(15 x 4 = 60)
एक टिप्पणीपरक प्रश्न (इकाई 1. ख से)	(10 x 1 = 10)

अनुशंसित ग्रंथ –

1. भारतीय साहित्य : स्थापनाएं और प्रस्तावनाएं – के. सच्चिदानंदन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भारतीय साहित्य की भूमिका – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतीय साहित्य – लक्ष्मीकांत पाण्डेय, प्रमिला अवस्थी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. भारतीय साहित्य – डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
5. भारतीय साहित्य के नये क्षितिज – रोहिताश्व, शिल्पायन, नई दिल्ली
6. भारतीय चिंतन की परम्परा – के. दामोदरन, पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
7. भारतीय साहित्य – मूलचंद गौतम, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR